Interview

साक्षात्कार एक शोध-प्रविधि या अनुसंधान उपकरण है इसके द्वारा विभिन्न परिस्थितियों में आवश्यक सूचनायें या data प्राप्त किये जाते हैं शोधकर्ता, सूचनादाताओं से कुछ आवश्यक प्रश्न पूछता है, और उनके द्वारा दिये गए उत्तरों के आधार पर संगत सूचनायें या आँकड़े प्राप्त करता है।

दूसरे शब्दों में "साक्षात्कार वह प्रविधि है, जिसके द्वारा आमने-सामने की परिस्थिति में साक्षात्कार लेने वाला साक्षात्कार देने वाले से तात्विक सूचनाएँ प्राप्त करने का प्रयास करता है"

भिन्न-भिन्न मनोवैज्ञानिकों ने interview को परिभाषित करने का प्रयास किया है :-

(Viteles 1964) "साक्षात्कार वह सम्मेलन है, जो साक्षात्कार लेने वाले और साक्षात्कार देने वाले के बीच घटित होता है"

(Chaplin 1975) "Interview is a face to face conversation for the purpose of obtaining factual information"

(Kerlinger 2002) "साक्षात्कार आमने-सामने की अन्तर्वैयक्तिक भूमिका परिस्थिति है, जिसमें एक व्यक्ति साक्षात्कार लेने वाला, साक्षात्कार देने वाले व्यक्ति, उत्तरदाता से शोध-समस्या से संगत उत्तर प्राप्त करने के उद्देश्य से नियोजित प्रश्न पूछता है"

(Denzen 1970) "An interview is any face to face conversational exchange where one person elicits information from another"

उपर्युक्त परिभाषाओं के विश्लेषण से निम्नांकित तथ्य प्राप्त होते हैं :—

1) साक्षात्कार आमने-सामने की परिस्थिति होती है।

2) साक्षात्कार में प्रश्न पूछे जाते हैं, तथा उत्तर शाब्दिक रूप से लिये जाते हैं।

3) Interview में interviewer द्वारा सूचनाएं रिकार्ड की जाती हैं।

4) साक्षात्कार के प्रारम्भ में काफी औपचारिकता होता है।

5) interview एक Research method है, जिसे Data-collection के लिए use किया जाता है।

Importance of interview in Social research

सामाजिक शोधों में शोध प्रविधि के रूप में interview का व्यवहार व्यापक रूप से किया जाता है। मनोवैज्ञानिक अनुसंधानों में data collection के लिए interview का व्यवहार व्यापक रूप से किया जाता है। सामाजिक शोधों में interview के महत्व निम्नांकित हैं :—

1) Intensive Study (गहन अध्ययन)

interview के आधार पर किसी विषय का गहन अध्ययन संभव होता है। इसके दो कारण हैं। एक कारण है, कि शोधकर्ता को सूचनादाता के साथ रागात्मक संबंध स्थापित करने का अवसर मिलता है, और सूचनादाता निःसंकोच होकर गहरी तथा सूक्ष्म सूचनाओं को बता देता है। दूसरा कारण यह है, कि शोधकर्ता को गहन प्रश्न पूछने का अवसर मिलता है।

2) **Extensive study (विस्तृत अध्ययन)**

साक्षात्कार से किसी विषय का न केवल गहन अध्ययन करना संभव होता है, बल्कि विस्तृत अध्ययन भी। शोधकर्ता को इस बात की सुविधा रहती है, कि वह अधिक-से-अधिक प्रश्न पूछकर अध्ययन-विषय के संबंध में अधिक-से-अधिक सूचना प्राप्त करें।

3) **Comprehensive study (समग्र अध्ययन)**

interview के द्वारा प्रश्नावली या अनुसूची की अपेक्षा अधिक समग्र अध्ययन संभव है। कारण प्रश्नावली के द्वारा अशिक्षित व्यक्तियों तथा बच्चों का अध्ययन संभव नहीं है। लेकिन, interview के द्वारा शिक्षित व्यक्तियों तथा अशिक्षित व्यक्तियों के साथ-साथ कुछ बच्चों का अध्ययन भी संभव होता है। आवश्यकतानुसार सभी लोगों से संगत सूचनाएं प्राप्त की जा सकती है।

4) **Objective study (वस्तुनिष्ठ अध्ययन)**

interview के आधार पर जो भी अध्ययन होता है, वह बहुत objective होता है। विशेष रूप से structured interview, formal interview, या closed interview के आधार पर प्राप्त आंकड़े अधिक वस्तुनिष्ठ होते हैं। इसका एक कारण यह है, कि interview में परिशुद्धता अधिक होती है।

5) **Observational study (प्रेक्षणात्मक अध्ययन)**

interview में दो तरह से सूचनाएं प्राप्त किये जाते हैं एक तो सूचनादाता से पूछकर दूसरे उसके observation से। यह गुण अन्य किसी method में नहीं है।

Teacher's Signature.............
Scanned with CamScanner

6) Personality organizational study (व्यक्तित्व संगठनात्मक अध्ययन)

interview के द्वारा सूचनादाता के व्यक्तित्व-संगठन या व्यक्तित्व विघटन के संबंध में भी सूचना प्राप्त करना संभव होता है। यहाँ दो तरह की सूचनाएं प्राप्त होती है। एक तो यह है कि सूचनादाता में व्यक्तित्व के कौन-कौन शील-गुण उपस्थित है। दूसरी सूचना यह मिलती है, कि सूचनादाता में ये सभी शील-गुण कहाँ तक संगठित या विघटित है।

7) More accurate study (अधिक यथार्थ अध्ययन)

interview पर आधारित अध्ययन अधिक सही तथा यथार्थ होता है। इसके कई कारण है।

* साक्षात्कार में दूसरे से पूछने की संभावना नहीं होता है।

* interview में दुबारा प्रश्न पूछने की स्वतंत्रता रहती है।

* interview में सही सूचना प्राप्त होने की संभावना रहती है।

8) Precision and Flexibility (परिशुद्धता तथा लचीलापन)

interview के संबंध में एक अपूर्व बात यह है कि इसमें एक ही साथ परिशुद्धता तथा लचीलापन का गुण पाया जाता है। Structured interview, closed interview या Formal interview में परिशुद्धता का गुण पाया जाता है। दूसरी ओर unstructured interview, open interview या informal interview में लचीलापन का गुण पाया जाता है। अतः शोधकर्ता आज interview का प्रयोग कर data प्राप्त कर लेता है।

9) Study of Complex Problems (जटिल समस्याओं का अध्ययन)

interview के द्वारा जटिल समस्याओं का समाधान

में सहायता मिलती है समाज तथा शिक्षा से संबंधित जटिल घटनाओं के अध्ययन के लिए प्रश्नावली से अधिक उपयुक्त interview है। परिस्थिति की मांगों के अनुकूल interview की कार्यप्रणाली में परिवर्तन लाया जा सकता है

उपर्युक्त importance के अलावा भी Goode (बेस्ट) ने भी interview के कुछ लाभों की चर्चा की है, जो निम्नांकित है :—

1) साक्षात्कार द्वारा साक्षात्कर्ता कम समय में ही वांछित सूचनाओं को प्राप्त कर लेता है

2) interview ही एक ऐसी विधि है, जिसमें शोधकर्ता पूर्णतः आश्वस्त हो जाता है, कि respondent ने पूछे गए प्रश्नों की व्याख्या ठीक ढंग से की है

3) interview में प्रश्नों में flexibility होने के कारण कम समय में ही गहन जानकारी प्राप्त करना संभव हो पाता है। किसी प्रश्न को दूहरा कर पूछा जा सकता है।

4) interview में interviewer के लिए परिस्थिति पर नियंत्रण रखना आसान होता है।

5) interview में interviewer से non-verbal cues भी प्राप्त होता है।

6) interview का एक लाभ यह है, कि इसका प्रयोग सभी तरह के व्यक्तियों पर, चाहे वे शिक्षित हो या अशिक्षित हो आसानी से किया जा सकता है

स्पष्ट है, कि interview का Social Research में बहुत महत्व है

Conditions for Successful interview

Interview का चाहे जो भी प्रकार क्यों न हो। इसकी सफलता के लिए कुछ विशेष परिस्थितियों का होना आवश्यक है (Lindzey & Aronson, 1968) के अनुसार ऐसी परिस्थितियाँ निम्नांकित 3 है :—

1) Accessibility (अभिगम्यता)

किसी interview की सफलता इस बात पर निर्भर करता है कि उस interview में पूछी गई सूचनाओं का स्वरूप ऐसा होना चाहिए, जो विषयी या Respondent के लिए आसानी से अभिगम्य या प्राप्त करना संभव हो।

दूसरे शब्दों में पूछी गई सूचनाओं का स्वरूप ऐसा होना चाहिए कि उसे प्रत्याशी या विषयी आसानी से interviewer को बिना किसी झिझक के दे कर पाए।

2) Cognition (संज्ञान)

Cognition से यहाँ तात्पर्य इस तथ्य से होता है कि respondent को यह पूर्णरूप से ज्ञात होना चाहिए कि उससे क्या पूछा जा रहा है, तथा किस ढंग की सूचनाएँ उससे अपेक्षित हैं। interview की सफलता के लिए आवश्यक है, कि प्रत्याशी को इस तरह का cognition हो। उसे यह स्पष्ट पता हो कि वह क्या कहने जा रहा है और किस संदर्भ में कहने जा रहा है। कभी-कभी देखा जाता है, कि respondent को इस बात का समुचित ज्ञान नहीं होता है, कि वह जो सूचनाएँ दे रहा है, वह उससे पूछा गया है, या नहीं। ऐसी अवस्था में interviewer की भूमिका ऐसी होनी चाहिए कि वह respondent में उचित cognitive knowledge उत्पन्न करें ताकि interview सफल हो सके।

9) Motivation (अभिप्रेरणा)

किसी भी interview की सफलता के लिए आवश्यक है, कि respondent वैसी सूचनाएं देने के लिए motivative होता है, जो उनसे प्राप्त करने की कोशिश की जा रही है। (Atkinson 1982) के अनुसार सामान्यत: यह देखा गया है, कि interview के प्रारंभ में तो respondent में उत्सुकता रहती है, परंतु धीरे-धीरे यह खत्म होने लगती है, ऐसी स्थिति में interview की success प्रभावित होने लगती है।

अत: ऐसी परिस्थिति में आवश्यक है, कि interviewer, respondent में High motivation बनाए रखे और इसके लिए यह आवश्यक है, कि respondent को महसूस कराया जाय कि interview के लक्ष्य तथा respondent के लक्ष्य समान हो।

उपर्युक्त तीनों अवस्थाओं के होने पर ही किसी interview को success होने की गारंटी रहती है।